शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

सिवनी

संपादक : संजय बघेल

शनिवार 4 अप्रैल 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in • वर्ष : 10 • अंक : 333 • पृष्ठ : 06 • मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

ईरान का अमेरिकी पायलट को हिरासत में लेने से इनकार

कहा– एफ–35 फाइटर जेट गिराया; पूरे इलाके में अमेरिकी ठिकाने तबाह करने की धमकी

तेल अवीव | एजेंसी rashtrabaan.in

ईरान ने दावा किया है कि उसने शुक्रवार को एक अमेरिकी स्न-35 फाइटर जेट गिरा दिया है। हालांकि उसके पायलट को हिरासत में लेने की खबरों से इनकार कर दिया। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि इस जेट का पायलट ईरान की हिरासत में है। रिपोर्ट के मुताबिक, विमान गिरने से पहले पायलट ने कूदकर अपनी जान बचाई और वह ईरान के अंदर ही कहीं उतरा। अपने पायलट को ढूंढने के लिए अमेरिकी सेना ने कोहगिलुयेह और बोयेर-अहमद जिले में सर्च ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन में ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर और ष्ट-130 हरक्यूलिस विमान लगाए गए। वहीं ईरानी सेना ने कहा है कि अगर अमेरिका और इजराइल ने उसके इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमले बढ़ाए, तो वह पूरे मिडिल ईस्ट में उनके ठिकानों को निशाना बनाएगा। ईरानी सेना के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फाघरी ने कहा- अगर हमारे पुल, बिजली घर या ऊर्जा ढांचे को छुआ, तो हम मिडिल ईस्ट में आपके पूरे ठिकाने खत्म कर देंगे।

भारत बोला- हम अकेले जिसने होर्मुज में नाविक खोए

ब्रिटेन की पहल पर होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए गुरुवार को एक ऑनलाइन बैठक हुई, जिसमें 60 से ज्यादा देशों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में भारत की तरफ से विदेश सचिव विक्रम मिसरी शामिल हुए। बैठक में विक्रम मिसरी ने कहा कि होर्मुज संकट में अब तक सिर्फ भारत के ही नागरिक मारे गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक होर्मुज संकट में अब तक 3 भारतीय नाविक मारे जा चुके हैं, ये सभी विदेशी जहाजों पर काम कर रहे थे।

कुवैत की ऑयल रिफाइनरी पर फिर हमला

कुवैत के मीना अल–अहमदी पोर्ट पर बनी ऑयल रिफाइनरी पर दो हफ्तों में तीसरी बार हमला हुआ है। यह मिडिल ईस्ट की सबसे बड़ी रिफाइनरी में से एक है। कुवैत और ईरान की दूरी सिर्फ 80 किमी दूर है।

जंग के बीच ट्रम्प सरकार में उथल-पुथल, आर्मी चीफ और अटॉर्नी जनरल को हटाया

अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी को हटाए जाने के बाद अब ट्रम्प सरकार में कुछ और बड़े अफसरों को निकाले जाने की आशंका बढ़ गई है। अमेरिकी वेबसाइट द अटलांटिक की रिपोर्ट के मुताबिक अगला नंबर एफबीआई चीफ काश पटेल और नेशनल इंटेलिजेंस चीफ तुलसी गबार्ड का हो सकता है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने गुरुवार को आर्मी चीफ जनरल रैंडी जॉर्ज को तुरंत रिटायर होने का आदेश दिया। व्हाइट हाउस के प्लान से जुड़े कई लोगों ने बताया कि और भी अधिकारियों को हटाने पर चर्चा चल रही है। इसमें आर्मी सेक्रेटरी डेनियल ड्रिस्कॉल और लेबर सेक्रेटरी लोरी चावेज–डीरेमर का नाम भी शामिल है। ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में बड़े अधिकारियों को हटाने से बचते रहे थे। उन्हें लगता था कि ऐसा करना डेमोक्रेट्स और मीडिया के सामने झुकना होगा। पिछले कुछ महीनों तक यह आदेश था कि मिडटर्म चुनाव से पहले किसी कैबिनेट अधिकारी को नहीं हटाया जाएगा, लेकिन ईरान युद्ध के बाद ट्रम्प की लोकप्रियता घटने से स्थिति बदल गई है।

अमेरिकी नेवी का एसएस जेराल्ड एयर क्राफ्ट कैरियर ऑपरेशन के लिए तैयार

अमेरिकी नौसेना का सबसे नया और सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट कैरियर स्स्-जेराल्ड आर. फोर्ड अब फिर से ऑपरेशन के लिए तैयार हो गया है। जहाज में लगी आग के बाद मरम्मत पूरी होने के बाद इसे दोबारा समुद्र में उतार दिया गया है। अमेरिकी 6ह्लद्ध फ्लीट के मुताबिक, यह जहाज अब किसी भी मिशन के लिए पूरी तरह तैयार है। यह क्रोएशिया के स्प्लिट बंदरगाह से रवाना हुआ। यह जहाज पहले रेड सी में ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत ईरान के खिलाफ मिशन में लगा था, जब 12 मार्च को इसके लॉन्ड्री एरिया में आग लग गई थी। अमेरिकी नौसेना के अधिकारी एडमिरल डैरिल कॉडल ने जहाज के क्रू की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने आग पर जल्दी काबू पा लिया। हालांकि, आग के एक हफ्ते बाद जहाज को ऑपरेशन से हटा लिया गया और ग्रीस भेजा गया, जहां उसके डैमेज हुए हिस्सों की मरम्मत की गई।

ईरान जंग की वजह से ई बजट नियमों में ढील दे सकता है

इटली के अर्थव्यवस्था मंत्री ने कहा है कि यूरोपियन यूनियन अपने बजट घाटा नियमों में ढील दे सकता है। अभी श्व देशों को त्नष्ठक्क के 3त्न से ज्यादा घाटा रखने की इजाजत नहीं है। लेकिन ईरान युद्ध के कारण ग्लोबल अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है, इसलिए अगर हालात ऐसे ही रहे तो नियमों में बदलाव करना पड़ सकता है।

इजराइल के हाइफा शहर पर रॉकेट हमला, 6 लोग घायल

इजराइल के उत्तरी शहर हाइफा पर रॉकेट से हमला किया गया है। यह शहर बेहद अहम है क्योंकि यहां देश का सबसे बड़ा ऑयल रिफाइनरी प्लांट है, जो 70त्न तेल प्रोसेस करता है। हमले में 6 लोग घायल हुए हैं। हालांकि इस रिफाइनरी को नुकसान नहीं पहुंचा। इस युद्ध के दौरान इस प्लांट पर पहले दो बार हमला हो चुका है।

पूरे इलाके में अमेरिकी ठिकाने तबाह करेंगे: ईरान

ईरान की सेना ने कहा है कि अगर अमेरिका और इजराइल ने उसके इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले बढ़ाए, तो वह पूरे मिडिल ईस्ट में उनके ठिकानों को निशाना बनाएगा। ईरानी सेना के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फाघरी ने कहा– अगर हमारे पुल, बिजली घर या ऊर्जा ढांचे को छुआ, तो हम आपके पूरे क्षेत्र के ठिकाने खत्म कर देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जिन देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकाने हैं उन्हें भी नुकसान झेलना पड़ सकता है।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली पुलिस ने एक शख्स को 75 सिलेंडर्स के साथ गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बावना इलाके में एलपीजी सिलेंडर की जमाखोरी और कालाबाजारी करने वाले एक शख्स को गिरफ्तार किया है। अनिल नाम के 50 वर्षीय इस शख्स के पास से 75 सिलेंडर्स जब्त किए गए हैं। इनमें 27 सिलेंडर्स भरे हुए थे, जबकि, 48 सिलेंडर्स खाली थे। सिलेंडर्स में घरेलू और कॉमर्शियल दोनों शामिल हैं। पुलिस को बावना इलाके में एलपीजी सिलेंडरों के अवैध भंडारण की गुप्त सूचना मिली थी। इसी के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में आरोपी सिलेंडरों के लिए लाइसेंस, परमिट, स्टॉक रजिस्टर या मालिकाना सर्टिफिकेट कोई भी दस्तावेज पेश नहीं कर सका।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने गांदरबल मुठभेड़ की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए

गांदरबल। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गांदरबल जिले में हुई मुठभेड़ की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए। इस एनकाउंटर में सुरक्षा बलों ने एक कथित आतंकवादी को मार गिराया था। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती सहित कई नेताओं ने इस मुठभेड़ पर सवाल उठाए थे। सोशल मीडिया की एक पोस्ट में शुक्रवार को सिन्हा ने कहा– मैंने अरहामा, गांदरबल घटना की पूरी और निष्पक्ष मजिस्ट्रेट जांच का आदेश दिया है। जांच घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जाएगी।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने कई जिलों से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक जब्त किए

विष्णुपुर। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने सशस्त्र समूहों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत कई जिलों से हथियार, गोला–बारूद और विस्फोटक जब्त किए हैं। सुरक्षा बलों से मिली जानकारी के मुताबिक, बिष्णुपुर जिले में चलाए गए अभियान में उपोकपी खुनौ मामंग लेइकाई लोकटक झील क्षेत्र से एक 0.32 पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, एक हाई–विस्फोटक हैंड ग्रेनेड, एक सिंगल–बैरल वाली बंदूक, एक खाली कारतूस और पांच 12–बोर कारतूस जब्त किए गए।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

पाकिस्तान में डीजल 55 प्रतिशत और पेट्रोल 43 प्रतिशत महंगा

डीजल 184 महंगा होकर 520, पेट्रोल 137 बढ़कर 458 रुपया/लीटर हुआ; ईरान जंग का असर

नई दिल्ली | एजेंसी rashtrabaan.in

पाकिस्तान में डीजल-पेट्रोल सबसे ज्यादा महंगा हो गया है। एक लीटर पेट्रोल 458 और डीजल 520 रुपया (पाकिस्तानी रुपया) के पार पहुंच गया है। सरकार ने पेट्रोल में 43त्न और हाई-स्पीड डीजल के दाम में 55त्न का इजाफा किया है। यह फैसला अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के बाद लिया गया है। नई दरें गुरुवार आधी रात से लागू हो गई हैं। पाकिस्तान में पेट्रोल 137.23 बढ़कर 458.41 और डीजल 184.49 बढ़कर 520.35 रुपया प्रति लीटर पर पहुंच गया। केरोसिन के दाम भी 34.08 रुपया बढ़ाकर 457.80 रुपया प्रति लीटर कर दिए हैं। पिछले महीने पेट्रोल-डीजल 55 रुपया महंगा हुआ था। तब पेट्रोल 321.17 और डीजल 335.86 रुपया था। पाकिस्तान के 1 रुपया की वैल्यू भारत के 33 पैसे बराबर होती है। यानी भारत के 100 रुपए की वैल्यू पाकिस्तान में करीब 300 रुपया के बराबर है। कीमतों में संतुलन बनाए रखने के लिए सरकार ने पेट्रोलियम टैक्स दरों में भी बदलाव किया है। पेट्रोल पर टैक्स को 105 से बढ़ाकर 160 रुपया प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं डीजल की कीमतों में बहुत ज्यादा उछाल न आए, इसलिए इस पर टैक्स को 55 रुपया से घटाकर शून्य कर दिया गया है।

हमारे यहां सड़कों पर कोई नमाज नहीं पढ़ सकता : योगी

दंगाइयों की संपत्ति गरीबों में बांट देते हैं; असम में दो रैलियां कीं

लखनऊ | एजेंसी rashtrabaan.in

हम कहते थे कि रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। कांग्रेस ने कहा कि राम तो हुए ही नहीं। कांग्रेस के सहयोगियों ने राम के अस्तित्व को नकारने का काम किया। लेकिन, भाजपा की डबल इंजन की सरकार में अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो गया। अब यूपी में कर्फ्यू नहीं लगता। नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में सब चंगा। सड़क पर कोई नमाज नहीं पढ़ सकता है। किसी धर्म से चिल्लाने की आवाज नहीं आती है। अगर किसी ने दंगा करने का दुस्साहस किया तो उसकी संपत्ति जब्त कर गरीबों और दलितों में बांट दी जाती है। ये बातें सीएम योगी ने असम में विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान शुक्रवार को कहीं। उन्होंने यहां दो रैलियां कीं। इनमें बरपेटा से एनडीए उम्मीदवार दीपक कुमार दास और बरछ्ला सीट पर विटुबरन शर्मा के लिए वोट देने की अपील की।

कांग्रेस के सहयोगियों ने राम के अस्तित्व को नकारा

योगी ने कहा– डबल इंजन की सरकार विरासत का सम्मान करती है। यह केवल डबल इंजन सरकार ही कर सकती है। जहां–जहां भाजपा सरकार है, वहां काम कर के दिखाया है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि के लिए आंदोलन चलता था, असम से भी लोग आते थे। हम कहते थे कि रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। कांग्रेस कहती थी कि राम तो हुए ही नहीं। कांग्रेस के सहयोगियों ने राम के अस्तित्व को नकारने का काम किया है। लेकिन, भाजपा की डबल इंजन की सरकार में अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो गया है।

अयोध्या में बुर्का पहनकर लूटने वाली महिला हिंदू निकली

अयोध्या | एजेंसी rashtrabaan.in

अयोध्या में ज्वेलरी शॉप में बुर्का पहनकर लूट करने वाली महिला हिंदू निकली। बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर उसने वारदात की थी। पुलिस ने गुरुवार देर रात दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। महिला का नाम पायल (25) और लड़के का नाम राहुल (27) है। वारदात के वक्त राहुल ज्वेलरी शॉप से कुछ दूर बाइक लेकर खड़ा था। पायल ने खिलौना पिस्टल यानी नकली पिस्टल दिखाकर दुकान से 3.6 लाख का सोने का हार और चेन लूट लिया। फिर भागकर राहुल के पास पहुंची। उसके साथ बाइक से फरार हो गई। आरोपी पायल की पिछले साल 5 अप्रैल को शादी हुई थी। वह 4 महीने की गर्भवती है। पति के साथ पंजाब में रह रही थी। 16 अप्रैल को इंटरमीडिएट की परीक्षा देने के लिए अयोध्या में मायके आई थी। पायल के पिता राम नवल ने भास्कर को बताया कि गुरुवार को ताबीज बनवाने की बात कहकर घर से निकली थी। उसने बताया था कि उसकी तबीयत बार-बार खराब हो जाती है। उसने यह सब क्यों किया, नहीं पता। वारदात गुरुवार दोपहर 12.30 बजे हुई। ज्वेलरी की दुकान में लगे 6 सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी। घटना रुदौली कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कोठी बाजार की है। राम मंदिर से घटनास्थल की दूरी करीब 45 किमी है। शुरुआती जांच में पता चला कि राहुल ने बाजार से नकली पिस्टल खरीदी। पायल ने बुर्का अपनी सहेली से मांगा। पहचान छिपाने के लिए पायल ने बुर्का पहनकर वारदात की। जिस बाइक से दोनों फरार हुए थे, कैमरे में उसका नंबर कैद हो गया था। इसे ट्रेस कर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। एडीजी जोन लखनऊ प्रवीण कुमार ने बताया- दोनों अयोध्या से बाहर भागने की फिराक में थे।

पश्चिम बंगाल में मालदा हिंसा का मुख्य आरोपी अरेस्ट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा में स्ढ्ढक्र से जुड़े न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में मुख्य आरोपी समेत 35 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के 48 घंटे के अंदर पुलिस ने आरोपी मोफक्करुल इस्लाम को बागडोगरा एयरपोर्ट से पकड़ा। वह बेंगलुरु भागने की फिराक में था। इस्लाम कलकत्ता हाईकोर्ट में वकील है। वह 2011 में एआईएमएम का उम्मीदवार रह चुका है। मोफक्करुल पर आरोप है कि मालदा के सुजापुर में 1 अप्रैल को एफआईआर में नाम कटने के विरोध प्रदर्शन में भड़काऊ भाषण दिया। इससे लोग भड़क गए और हजारों लोगों ने कलियाचक के बीडीओ ऑफिस को घेर लिया। दो गेट बंद कर दिए गए, जिससे 7 न्यायिक अधिकारी 9 घंटे ऑफिस के अंदर बंधक रहे। देर रात 1 बजे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भारी सुरक्षाबल की मौजूदगी में अफसरों को बाहर निकाला गया था।

ममता ने कहा– वोटर लिस्ट में घुसपैठिए तो मोदी कैसे जीते, पहले वे इस्तीफा दें

असम में सीसी लाएंगे, इससे आदिवासी बाहर रहेंगे: शाह

नईदिल्ली | एजेंसी rashtrabaan.in

गृह मंत्री अमित शाह ने असम के गोलपाड़ा में चुनावी सभा में कहा कि राज्य में ष्टष्ट लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद कोई चार शादी नहीं कर सकेगा। ष्टष्ट में कांग्रेस आदिवासियों को डराती है कि आप पर भी ष्टष्ट लगेगी लेकिन आदिवासियों को इससे बाहर रखा जाएगा। वहीं पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि अगर वोटर लिस्ट में घुसपैठियों के नाम थे, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले भी उनके वोट से जीत चुके हैं। ऐसे में पहले उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।ममता ने दक्षिण दिनाजपुर में चुनावी रैली के दौरान कहा कि बंगाल में अधिकारियों के तबादले इस तरह किए गए, जिससे बाहरी लोगों का राज्य में आना आसान हो सके। मालदा में दो दिन पहले न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने की घटना पर ममता बनर्जी ने एआईएमएम और आईएसएफ को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा पर उकसाने का आरोप लगाया।

अन्नामलाई बोले- पार्टी ने प्रचार का काम दिया है, पूरा करूंगा

बीजेपी नेता के अन्नामलाई ने केरल के कन्नूर में कहा– इस चुनाव में, मेरा रोल पूरे तमिलनाडु में कैंडिडेट्स के लिए प्रचार करना है। पार्टी ने मुझे पुडुचेरी और केरल में प्रचार की जिम्मेदारी दी है। इसके बाद मुझे पूरे तमिलनाडु में सभी ह्र्रष्ठक्कऔर ह्रष्ठ कैंडिडेट्स के लिए प्रचार करना है। पार्टी ने मुझे यही ज़िम्मेदारी दी है। मैं वह जिम्मेदारी पूरी करूंगा।

शाह बोले- असम में सीसी लाएंगे

गृह मंत्री अमित शाह ने असम के गोलपाड़ा में कहा कि असम के युवा कहते हैं कि घुसपैठियों की संख्या बहुत बढ़ गई है। इतनी सारी आबादी बढ़ती है रोके कैसे। उनसे कहना चाहता हूं हम असम में यूनिफॉर्म सिविल कोड लाएंगे। अब कोई चार शादी नहीं कर पाएगा। सीसी में कांग्रेस आदिवासियों को डराती है कि आप पर भी ष्टष्ट लगेगी लेकिन आदिवासियों को ष्टष्ट से बाहर रखा जाएगा। सीसी किसके लिए लगाना है हमें मालूम है। शाह ने कहा कि कांग्रेस ने कभी किसी आदिवासी महिला को देश का राष्ट्रपति नहीं बनाया, लेकिन मोदी ने इसे बदल दिया और द्रौपदी मुर्मू देश की पहली नागरिक बन गईं। उन्होंने कहा– आदिवासियों के विकास के लिए पीएम और असम ष्टरूने एक रोडमैप तैयार किया है। इसे आगे बढ़ाने और लागू करने के लिए बीजेपी को वोट दें। मेघालय के पास गारो हिल्स में हाल ही में हुई हिंसा पर शाह ने कहा कि घुसपैठियों ने आदिवासी महिलाओं से शादी करके गारो काउंसिल में सत्ता हथियाने की कोशिश की, और इसी वजह से यह झगड़ा हुआ। गृह मंत्री ने कहा कि बीजेपी ने असम में शांति बहाल की, लेकिन अगर 9 अप्रैल के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कोई भी सीट जीतती है तो नॉर्थ–ईस्ट में फिर से अस्थिरता आएगी।

पाकिस्तान में गाय–भैंस पालने पर गोबर टैक्स लगाने की तैयारी

हर पशु पर रोजाना 30 रुपए वसूलेगी सरकार, विपक्ष बोला– यह रेवेन्यू जुटाने का तरीका

नई दिल्ली | एजेंसी rashtrabaan.in

पाकिस्तान के पंजाब राज्य में गाय और भैंस पालने पर अब 'टैक्स' लगाने की तैयारी हो रही है। पाकिस्तानी अखबार डेली टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मरियम नवाज की सरकार हर गाय और भैंस पर रोजाना 30 पाकिस्तानी रुपए फीस देने का नियम बना सकती है। सरकार इस कदम को ग्रीन एनर्जी के रूप में पेश कर रही है। यह योजना 'सुथरा पंजाब' बायोगैस प्रोग्राम का हिस्सा बताई जा रही है। यह प्रोग्राम दिसंबर 2024 में पंजाब राज्य में शुरू किया गया था। इसका मकसद कचरे को साफ करना और उससे बायोगैस बनाकर ऊर्जा तैयार करना है। वहीं विपक्षी दलों ने इस फैसले की कड़ी आलोचना कर इसे गोबर टैक्स का नाम दिया है। उनका कहना है कि यह कदम दिखाता है कि सरकार आर्थिक दबाव में है और अब नए-नए तरीकों से पैसा जुटाने की कोशिश कर रही है। विपक्ष ने दावा किया कि 'ग्रीन एनर्जी' का नाम बस दिखावा है। असली कहानी कुछ और है।

गोबर इकट्ठा कर पर्यावरण बचाने का दावा

सरकार ने इस फीस को लागू करने के लिए राज्य की करीब 168 कैटल कॉलोनियों को चिन्हित किया है। इन कॉलोनियों की लगभग 50 लाख गाय–भैंसों पर यह फीस लग सकती है। इस नई योजना के तहत पशुपालकों से हर पशु के हिसाब से रोजाना शुल्क लिया जाएगा। पहले चरण में लाहौर की दो प्रमुख डेयरी कॉलोनियों हरबंसपुरा और गुज्जरपुरा से शुरू होगा। बाद में पूरे पंजाब में फैलाया जाएगा। सरकार का कहना है कि इस पैसे का इस्तेमाल गोबर इकट्ठा करने, कचरा मैनेजमेंट और बायोगैस प्लांट चलाने में किया जाएगा।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शनिवार 4 अप्रैल 2026

शहडोल राष्ट्रबाण

• ब्यौहारी • जयसिंघनगर • सोहागपुर • गोहपारु • बुढार • जैतपुर

बस स्टैंड पर अव्यवस्था का आलम, बस संचालकों की मनमानी से यात्री परेशान

आरक्षक के मौत के बाद हुई कार्रवाई फिर पड़ी ढीली व्यवस्था, न स्वच्छता न ही पानी की सुविधा, जिम्मेदार विभाग मौन

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

संभागीय मुख्यालय का मुख्य बस स्टैंड पर इन दिनों अव्यवस्था का माहौल चरम पर है। बस संचालकों द्वारा निर्धारित स्थानों की अनदेखी करते हुए मनमर्जी से बसें खड़ी की जा रही हैं। इससे न केवल यातायात बाधित हो रहा है बल्कि यात्रियों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई जगहों पर बसों की अव्यवस्थित पार्किंग के कारण जाम जैसे हालात बन जाते हैं। बसों के गलत तरीके से खड़े होने के कारण यात्रियों को सड़क पर खड़े होकर बस का इंतजार करना पड़ता है। इससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। खासकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति और अधिक जोखिम भरी साबित हो रही है।

एक सप्ताह की सख्ती के बाद फिर पुराने हालात

8 दिसम्बर को बस स्टैंड में ड्यूटी में तैनात आरक्षक महेश पाठक की मौत के बाद पुलिस और परिवहन विभाग सक्रिय हुआ था। उसके बाद लगभग एक सप्ताह तक लगातार जांच और कार्रवाई की गई, जिससे स्थिति में कुछ सुधार देखने को मिला। लेकिन समय बीतने के साथ ही विभागीय सख्ती कम हो गई और अब हालात फिर पहले जैसे हो गए हैं।

निर्धारित समय से पहले प्रवेश का नियम

जानकरों की माने तो नियमों अनुसार बसों को अपने निर्धारित समय से केवल आधा घंटा पहले ही बस स्टैंड में प्रवेश की अनुमति है ताकि व्यवस्था सुचारू बनी रहे। लेकिन हकीकत इसके विपरीत है। बड़े बस संचालकों द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए बसों को पूरे दिन बस स्टैंड पर खड़ा रखा जा रहा है। इससे अन्य बसों के लिए जगह की कमी हो जाती है और यात्रियों को भी असुविधा होती है। अव्यवस्थित खड़ी बसों के कारण जाम की स्थिति बनती है। जिम्मेदार विभाग इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा

नगर पालिका वसूली में आगे, सुविधाओं में पीछे

नगर पालिका द्वारा बस स्टैंड से नियमित शुल्क वसूला जा रहा है लेकिन इसके बावजूद यहां मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। न तो सफाई की समुचित व्यवस्था है और न ही यात्रियों के बैठने या आराम करने की उचित व्यवस्था दिखाई देती है। बस स्टैंड परिसर में साफ-सफाई की स्थिति बेहद खराब है। जगह-जगह कचरा फैला हुआ है, जिससे बदबू और गंदगी का माहौल बना रहता है। यह स्थिति यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बन सकती है।

भीषण गर्मी में पानी की व्यवस्था नदारद

गर्मी के इस मौसम में बस स्टैंड पर पीने के पानी की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। यात्रियों को पानी के लिए भटकना पड़ता है या महंगे दामों पर खरीदना पड़ रहा है। इससे खासकर दूर-दराज से आने वाले यात्रियों को अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय और यात्रियों ने प्रशासन से बस स्टैंड की व्यवस्था सुधारने की मांग की है। उनका कहना है कि नियमित जांच, निर्धारित पार्किंग, साफ-सफाई और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए।

सड़क सुरक्षा बैठक के बाद भी जमीनी स्तर पर नहीं दिखा असर

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के दो दिन बाद भी व्यवस्थाओं में कोई खास सुधार देखने को नहीं मिला है। कलेक्टर और एसपी की उपस्थिति में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में अधीनस्थ कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए और नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया जाए। लेकिन जमीनी हकीकत इन निर्देशों से बिल्कुल अलग नजर आ रही है। बस स्टैंड और प्रमुख मार्गों पर अब भी अव्यवस्था का आलम बना हुआ है। नियमों की अनदेखी और मनमानी जारी है, जिससे आमजन को परेशानी उठानी पड़ रही है। शहर में यातायात की स्थिति को देखकर यह साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि अधीनस्थ अमला निर्देशों को गंभीरता से नहीं ले रहा है, जिससे प्रशासनिक प्रयासों पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कर्मचारियों और यात्रियों में नाराजगी : बस स्टैंड पर मौजूद कर्मचारियों और यात्रियों में इस अव्यवस्था को लेकर नाराजगी साफ देखी जा सकती है। उनका कहना है कि यदि नियमित निगरानी और सख्त कार्रवाई हो तो स्थिति में सुधार संभव है लेकिन फिलहाल जिम्मेदार विभाग उदासीन बने हुए हैं।

खदानों में मजदूर का शोषण, आधी मजदूरी और लंबी ड्यूटी का आरोप

जेएमस ठेकेदार पर गंभीर आरोप, मजदूरों ने किया प्रशासन और प्रबंधन पर सवाल खड़ा

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले के धनपुरी क्षेत्र स्थित बंगवार खैरहा और राजेंद्र भूमिगत कोयला खदानों से मजदूरों ने ठेकेदारों और कंपनी प्रबंधन के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। मजदूरों का कहना है कि उन्हें कागजों में पूरी मजदूरी दिखाई जाती है लेकिन वास्तविक भुगतान में भारी कटौती की जाती है। विरोध करने पर नौकरी से निकालने की धमकी भी दी जाती है। मजदूरों ने बताया कि दस्तावेजों में उन्हें प्रतिदिन 1249 रुपए मजदूरी दिखाई जाती है जबकि वास्तविक भुगतान केवल 650 रुपए किया जाता है। शेष रकम अन्य खातों के माध्यम से वापस वसूली जाती है।

12 घंटे की ड्यूटी, सुरक्षा सुविधाओं की कमी

मजदूरों ने आरोप लगाया कि भूमिगत खदानों में उन्हें 12 घंटे तक काम कराया जाता है जबकि

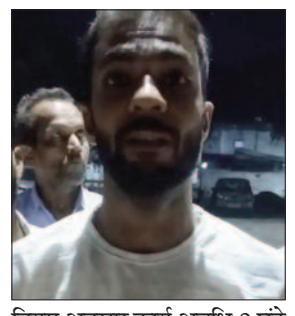

नियम अनुसार कार्य अवधि 8 घंटे निर्धारित है। इसके साथ ही सुरक्षा उपकरण और मेडिकल सुविधाओं की अनुपस्थिति से उनकी जान जोखिम में है।

श्रम कानूनों का उल्लंघन

इस मामले में न्यूनतम वेतन अधिनियम, वेतन भुगतान अधिनियम, खदान अधिनियम, और ठेका मजदूर अधिनियम और ठेका मजदूर अधिनियम के उल्लंघन की संभावना सामने आई है। यदि जांच हुई और आरोप सही पाए जाते हैं तो यह संगठित आर्थिक शोषण का गंभीर मामला भी बन सकता है।

ऊपर तक जाता है पैसा, अधिकारियों पर सवाल

मजदूरों ने जेएमएस कंपनी के कुछ अधिकारियों की संलिप्तता का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि ठेकेदारों से कमीशन लिया जाता है और मजदूरों का हक ऊपर तक पहुंचाया जाता है।

जनप्रतिनिधि ने उठाया मुद्दा

जनपद सदस्य अभिषेक द्विवेदी ने एसईसीएल सोहागपुर के जीएम को पत्र लिखकर मजदूरों को पूरा भुगतान दिलाने 12 घंटे की ड्यूटी घटाकर 8 घंटे करने और मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि कार्रवाई न होने पर व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

आंदोलन की चेतावनी और प्रशासन पर दबाव

मजदूरों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस गंभीर मामले में ठोस कदम उठाएगा या मजदूरों का शोषण लगातार जारी रहेगा।

गुड फाइडे पर श्रद्धा और शांति के साथ आयोजित हुए कार्यक्रम

शहडोल। गुड फाइडे के अवसर पर शहर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन श्रद्धा और आस्था के साथ किया गया। ईसाई समुदाय के लोगों ने प्रभु यीशु मसीह के बलिदान को याद करते हुए चर्चों में विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित कीं। इस दौरान वातावरण पूरी तरह भक्ति और शांति से ओतप्रोत रहा। सुबह से ही चर्चों में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। लोगों ने प्रार्थना करते हुए प्रभु यीशु के त्याग और मानवता के लिए उनके संदेशों को स्मरण किया। पादरियों द्वारा विशेष प्रवचन दिए गए, जिसमें प्रेम, क्षमा और सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। गुड फ्राइडे के मौके पर क्रॉस यात्रा जुलूस भी निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत अधिकारी आज करेंगे विद्यालयों में संवाद

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शहडोल जिले में 1 अप्रैल से आज दिनांक तक चल रहे स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रेरित करना और उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में मार्गदर्शन प्रदान करना है। कार्यक्रम के तहत विभिन्न विभागों के अधिकारी, समाज के प्रतिष्ठित एवं अनुभवी व्यक्तित्व विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। वे अपने अनुभव साझा करते हुए बच्चों को शिक्षा के महत्व, करियर निर्माण और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अधिकारियों को अलग-अलग विद्यालयों में आवंटित किया है। अधिकारियों को निर्धारित समय पर उपस्थित होकर बच्चों के स्तर के अनुसार कक्षाखंड में अध्यापन कार्य करने और प्रेरक संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं।जिला शिक्षा केंद्र ने कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर दी हैं और सभी विद्यालयों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। अधिकारियों से अपील की गई है कि वे आज अनिवार्य रूप से अपने आवंटित विद्यालय में उपस्थित रहें और कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

बनसुकली रोड में महुआ बिन रहे व्यक्ति को बाइक सवार ने कुचला, मौके पर मौत

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले के अंतिम छोर स्थित सीधी थाना क्षेत्र अंतर्गत बनसुकली रोड सीधी में शुक्रवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया। महुआ बिन रहे एक व्यक्ति की तेज रफ्तार बाइक सवार ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।बताया गया है कि मृतक लक्ष्मण सिंह निवासी सीधी जो कि प्रतिदिन की तरह बनसुकली रोड पर महुआ बीन रहे थे। अचानक पीछे से आई बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मारी। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के तुरंत बाद बाइक सवार फरार हो गया। पुलिस

को सूचना मिलने पर सीधी थाना की टीम मौके पर पहुंची और घटना स्थल का जायजा लिया। मृतक का शव पोस्टमार्टम पीएम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। घटना के कारण गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने सड़क पर तेज गति से चलने वाले वाहन चालकों के प्रति चेतावनी दी है और जिम्मेदारो पर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने घटना की जांच जारी रखी है और आसपास के लोगों से पूछताछ के माध्यम से आरोपी की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं।

आरक्षक की तत्परता से भटके मासूम को मिला परिवार, सकुशल लौटाया गया घर

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत डायल 112 पुलिस टीम की कार्यवाही से खेलते-खेलते घर का रास्ता भटक गए एक 3 वर्षीय मासूम को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया गया। समय पर की गई कार्रवाई से एक बड़ी अनहोनी टल गई और बच्चे को सुरक्षित संरक्षण मिल सका।बताया गया है कि1 अप्रैल को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत इतवारी मोहल्ला में एक छोटा बच्चा अकेला घूमता हुआ मिला है, जो अपने घर का रास्ता भटक गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए

तत्काल थाना कोतवाली में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को मौके के लिए रवाना किया गया। घटनास्थल पर पहुंचकर प्रधान आरक्षक बैजनाथ सिंह एवं पायलट अनुराग द्विवेदी ने बालक को अपने संरक्षण में लिया और आसपास के क्षेत्र में उसके परिजनों की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने मोहल्ले में घर-घर जाकर पूछताछ की और लगातार प्रयास जारी रखे। काफी खोजबीन के बाद बालक के परिजनों का पता लगाया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पहल

राहगीरों को मिलेगा शीतल पेयजल

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न जनपद पंचायतों में विशेष गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में जयसिंहनगर क्षेत्र के बसोंहरा और भटीगवांखुर्द गांवों में जल मंदिर (प्याऊ) का शुभारंभ किया गया। यह पहल जन अभियान परिषद के सदस्यों, नवांकुर संस्था एवं प्रस्फुटन समितियों के संयुक्त सहयोग से की गई। ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए स्थापित किए गए इन जल मंदिरों का उद्देश्य राहगीरों और स्थानीय लोगों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराना है,

जिससे गर्मी के दौरान लोगों को राहत मिल सके। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमुदाय को जल संरक्षण और उसके महत्व के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही सभी को जल बचाने और इसके संवर्धन के लिए शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और इसके संरक्षण के बिना भविष्य की कल्पना संभव नहीं है। ऐसे अभियानों के माध्यम से समाज में जागरूकता बढ़ेगी और लोग जल के महत्व को समझते हुए इसके संरक्षण में अपनी भागीदारी निभाएंगे।

एसएनसीयू की टीम ने 70 दिन तक विशेष देखरेख के बाद समय से पहले जन्मे अति कमजोर बच्चे को स्वस्थ कर परिजनों को सौंपा

जिला चिकित्सालय में 790 ग्राम के नवजात को बचाकर डॉक्टरों ने दिखाई महारत

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिला अस्पताल के एसएनसीयू स्पेशल न्यूबोर्न केयर यूनिट की टीम ने एक बार फिर मेडिकल चमत्कार कर दिखाया। मात्र 790 ग्राम वजन और अति कमजोर स्थिति में जन्मे नवजात को 70 दिन तक विशेष उपचार देने के बाद स्वस्थ होने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस सफलता ने परिजनों और अस्पताल स्टाफ में खुशी का माहौल बना दिया। बताया गया है कि ग्राम ढोलको कोठार तहसील ब्यौहारी निवासी रोशनी यादव के घर अचानक समय से पहले डिलीवरी हो गई। नवजात का जन्म

लगभग 6 माह में हुआ और उसका वजन सिर्फ 790 ग्राम था। गंभीर स्थिति में बच्चे को तुरंत ब्यौहारी सिविल अस्पताल लाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल के एसएनसीयू में रेफर किया गया।एसएनसीयू में भर्ती होते ही नवजात को सीपीएपी मशीन पर रखा गया और सेंट्रल कैथेटर डालकर उपचार शुरू किया गया। बच्चे को सांस रुकने, संक्रमण और पीलिया जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा। शुरुआती 21 दिन तक ब्रॉड स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक दिया गया और तीन बार रक्त चढ़ाया गया। बाद में सेप्टीसीमिया के कारण अतिरिक्त एंटीबायोटिक और दो बार रक्त चढ़ाना पड़ा। धीरे-धीरे सुधार होने पर मां का दूध दो- दो एमएल से पिलाना शुरू किया गया और कंगारू मदर केयर लागू की गई। 35 दिन तक सीपीएपी और 17 दिन ऑक्सीजन सपोर्ट पर रहने के बाद नवजात की स्थिति स्थिर हुई। प्रतिदिन 10 से 15 ग्राम वजन बढ़ने के बाद बच्चे को 70 दिन में छुट्टी दी गई।एसएनसीयू के इंचार्ज डॉ. सुनील हथगेल ने बताया कि 7 माह से पहले जन्मे बच्चों को बचाना अत्यंत चुनौतीपूर्ण होता है क्योंकि उनके अंग पूरी तरह विकसित नहीं होते। इस उपलब्धि के पीछे डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की मेहनत और निरंतर देखरेख का योगदान रहा।

विद्युत समाधान योजना की बढ़ाई गई अवधि

शहडोल। राज्य सरकार की समाधान योजना 2025-26 के द्वितीय एवं अंतिम चरण की अवधि बढ़ाकर अब 15 मई 2026 तक कर दी गई है। बिजली विभाग ने बकायादार उपभोक्ताओं से इस योजना का अधिकतम लाभ लेने की अपील की है। अधिकारियों के अनुसार यह सरचार्ज में छूट का अंतिम अवसर है। यह योजना विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आई है जो लंबे समय से बकाया बिल और सरचार्ज के कारण भुगतान करने में असमर्थ थे। अब ऐसे उपभोक्ताओं को 50 से लेकर 90 प्रतिशत तक सरचार्ज में छूट का लाभ मिल रहा है, जिससे वे अपने बकाया बिल का भुगतान आसानी से कर सकते हैं।

आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना से डेयरी व्यवसाय का सुनहरा अवसर

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

पशुपालन विभाग द्वारा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना जिले में पशुपालकों के लिए रोजगार का नया अवसर बनकर उभर रही है। इस योजना के तहत डेयरी व्यवसाय शुरू करने के इच्छुक हितग्राहियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।योजना के अंतर्गत कुल परियोजना लागत का 75 प्रतिशत बैंक ऋण के रूप में प्रदान किया जाता है, जबकि शेष 25 प्रतिशत राशि हितग्राही को अंशदान के रूप में जमा करनी होती है। साथ ही, 7 वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज की प्रतिपूर्ति अनुदान का भी प्रावधान है, जिससे पशुपालकों पर आर्थिक बोझ कम होता है। उप संचालक पशुपालन विभाग के अनुसार योजना का लाभ लेने के लिए हितग्राही के पास न्यूनतम 5 दुधारू पशु और एक एकड़ कृषि भूमि होना अनिवार्य है। पशुओं की संख्या बढ़ने पर भूमि की आवश्यकता भी उसी अनुपात में निर्धारित की जाती है। योजना के तहत 5 भैंसों की इकाई लागत 4 लाख 25 हजार रुपए, शंकर नस्ल की 5 गायों के लिए 3लाख 82 हजार रुपए और देशी गायों के लिए 2 लाख 43 हजार रुपए निर्धारित की गई है। वहीं 10 पशुओं की इकाई में भैंसों के लिए 8 लाख 40 हजार रुपए, शंकर गाय के लिए 7 लाख 51 हजार और देशी गायों के लिए 4 लाख 75 हजार रुपए लागत तय की गई है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शनिवार 4 अप्रैल 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

विधायक अनुभा मुंजारे ने किया लालबर्रा अमोली समनापुर मार्ग का निरीक्षण

समय सीमा में कार्य पूर्ण करने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के दिए सख्त निर्देश

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

लालबर्रा समनापुर सड़क का निरीक्षण करते हुए विधायक

विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत लालबर्रा अमोली से समनापुर मार्ग का जनता की निरंतर मांग व जनता को आवागमन में हो रही असुविधा को ध्यान में रखते हुए बंद पड़े कार्य को पुनः प्रारंभ करवाने के लिए सड़क का स्थल निरीक्षण किया गया तथा निरीक्षण के दौरान सड़क की गुणवत्ता, निर्माण कार्य की प्रगति एवं सुरक्षा मानकों का बारीकी से अवलोकन किया गया। कई स्थानों पर अधूरी बनी सड़क, जल निकासी की समस्या, बिजली पोल शिफ्टिंग इत्यादि बिंदुओं पर जनता के द्वारा ध्यान आकर्षित करवाया गया। संबंधित अधिकारियों व ठेकेदार को तत्काल सुधारात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए तथा निर्माण एजेंसी, ठेकेदार को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सख्त निर्देश दिए गए, साथ ही ग्राम पंचायत पांढ़रवानी (लालबर्रा) के पंचायत भवन में आवश्यक बैठक की गई। बैठक में जनपद पंचायत लालबर्रा के कर्मचारियों के द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के आवेदनों के सम्बन्ध में की गई मनमानी व विभिन्न विभागों के द्वारा की जा रही मनमानी के लिए जनपद पंचायत सी ई ओ (ष्टश्वह्र),जनपद के कर्मचारियों एवं विभिन्न विभागों के प्रमुखों को सख्त निर्देश दिए कि जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने दें, उनके कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करें, योजनाओं का पूर्ण पारदर्शिता से अवलोकन कर संपूर्ण जानकारी जनता तक पहुंचाने के लिए हमेशा तत्पर रहें। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, आमजन,विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

अन्नदाता पर आफतः पहले बारिश की मार, अब प्रशासन की जप्ती वाली तलवार!

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिला प्रशासन और खरीदी केंद्रों की अव्यवस्था ने सिवनी के किसानों को खून के आँसू रुलाने पर मजबूर कर दिया है। इसे सिस्टम की संवेदनहीनता कहें या किसानों के साथ भद्दा मजाक जो अन्नदाता पहले ही कुदरत के कहर से कराह रहा था, अब उसे प्रशासन की दमनकारी कार्रवाई की धमकियां दी जा रही हैं।

तारीखों का मायाजाल और मौसम की मार

पूरा मामला गेहूं खरीदी से जुड़ा है। प्रशासन ने पहले तुलाई की तारीख 7 अप्रैल तय की थी। किसान अपनी उम्मीदें लेकर केंद्रों की ओर देख ही रहे थे कि अचानक इस तारीख को धकेलकर 15 अप्रैल कर दिया गया। इसी बीच आसमान से बरसी बेमौसम बारिश ने रही-सही कसर पूरी कर दी। किसानों का सोना कहे जाने वाले गेहूं भीगकर मिट्टी होने लगा।

मजबूरी में वेयरहाउस का सहारा, अब कार्रवाई का कोड़ा

जब भीगे हुए गेहूं को बचाने का कोई रास्ता नहीं सूझा, तो किसानों ने अपनी फसल को सुरक्षित रखने और सुखाने के लिए वेयरहाउस की शरण ली। किसानों का मकसद साफ था कि फसल सूख जाए तो उसे समर्थन मूल्य पर बेचकर परिवार का पेट पाल सकें। लेकिन वही अब प्रशासन का एक ऐसा तुगलकी फरमान सामने आया है जिसने किसानों के होश उड़ा दिए हैं। संदेश फैलाया जा रहा है कि अपनी फसल तुरंत वेयरहाउस से उठाओ, वरना कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

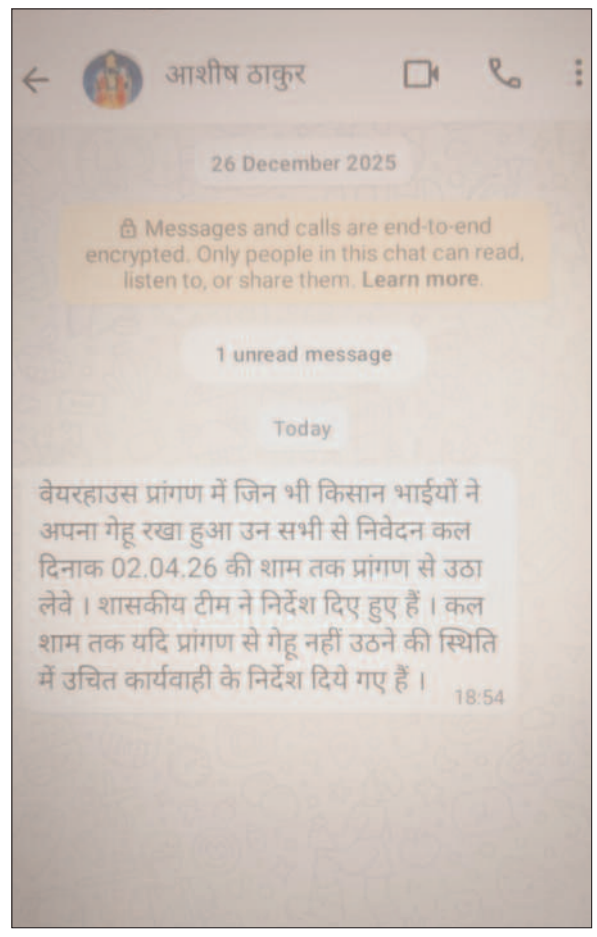

किसानों का फूट रहा गुस्सा, हक मांग रहे हैं, भीख नहीं!

इस चेतावनी ने किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है। आक्रोशित किसानों का कहना है कि जब तुलाई की तारीख प्रशासन ने आगे बढ़ाई, तो फसल की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी थी? क्या किसान अपनी मेहनत की कमाई को सड़ने के लिए खुले आसमान के नीचे छोड़ देता? बजाय मदद के हाथ बढ़ाने के, प्रशासन जेल और कार्रवाई की घुड़की क्यों दे रहा है?

आर-पार की लड़ाई के मूड में अन्नदाता

क्षेत्र के किसानों ने दो टूक शब्दों में प्रशासन को चेतावनी दी है। उनकी स्पष्ट मांगें हैं कि बिना किसी देरी के गेहूं की खरीदी शुरू की जाए तत्काल तुलाई की जाये। वेयरहाउस में रखी फसल को लेकर दी जा रही धमकियां तुरंत वापस ली जाएं। बारिश से हुए नुकसान का सर्वे कर प्रभावित किसानों को राहत राशि दी जाए। एक तरफ डबल इंजन की भाजपा सरकार किसान हितैषी होने का दम भरती है, वहीं दूसरी तरफ जमीन पर अधिकारी तानाशाही रवैया अपनाए हुए हैं। अगर जल्द ही तुलाई शुरू नहीं हुई और किसानों को प्रताड़ित करना बंद नहीं किया गया, तो यह आक्रोश जिले में बड़े आंदोलन का रूप ले सकता है।

फ़िल्टर प्लांट का निरिक्षण करती जिला कलेक्टर शीतला पटले।

कलेक्टर की फिल्टर प्लांट पर दस्तक

दावों की सफाई या सिर्फ खानापूर्ति? गुणवत्ता के नाम पर अधिकारियों को लगाई फटकार

केवलारी| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिला प्रशासन जब धरातल पर उतरता है, तो अक्सर व्यवस्थाओं की कलई खुलती नजर आती है। कुछ ऐसा ही नजारा केवलारी में देखने को मिला, जब कलेक्टर शीतला पटले खुद जल जीवन मिशन के कार्यों का पोस्टमार्टम करने पहुंच गईं। केवलारी फिल्टर प्लांट और पाइपलाइन विस्तार के कार्यों का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर के तेवर सख्त नजर आए, जिससे यह साफ हो गया कि कागजी घोड़े दौड़ाने वाले अधिकारियों के लिए अब डगर आसान नहीं है।

शुद्ध पानी का दावा, पर व्यवस्थाओं पर सवाल?

फिल्टर प्लांट के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने केवल जल शुद्धिकरण की प्रक्रिया ही नहीं देखी, बल्कि सप्लाई चेन की उन खामियों को भी टटोला जिसके कारण जनता अक्सर प्यासी रह जाती है। उन्होंने साफ निर्देश दिए कि स्वच्छ पेयजल केवल सरकारी विज्ञापनों तक सीमित न रहे, बल्कि नागरिकों के नल तक सुरक्षित तरीके से पहुंचे।

जल जीवन मिशन, गुणवत्ता या महज सरकारी औपचारिकता?

सबसे बड़ा सवाल जल जीवन मिशन के तहत बिछाई जा रही पाइपलाइनों और कनेक्शनों की गुणवत्ता पर खड़ा हुआ। अक्सर देखा जाता है कि पाइपलाइन बिछने के कुछ ही दिनों बाद सड़कें उखड़ जाती हैं या लीकेज की समस्या शुरू हो जाती है। इसी लापरवाही के कल्चर पर प्रहार करते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि काम की गुणवत्ता में कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अधिकारियों को अल्टीमेटम, समय सीमा का डेडलाइन या डेड वर्क?

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने एसडीएम महेश अग्रवाल और विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में सख्त चेतावनी दी कि कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। सवाल यह है कि क्या इस निरीक्षण के बाद केवलारी की जनता को वास्तव में गुणवत्तापूर्ण और समय पर जल मिल पाएगा, या फिर अधिकारियों की लापरवाही की पुरानी आदत विकास के पहिये को जाम कर देगी? कलेक्टर के कड़े निर्देश इस बात का संकेत हैं कि जिले में विकास कार्यों की कछुआ चाल और घटिया निर्माण अब प्रशासन की रडार पर है। अब देखना यह होगा कि मैदानी अमला इन निर्देशों को कितनी गंभीरता से लेता है या फिर निरीक्षण की यह फाइल भी फाइलों के ढेर में दबकर रह जाएगी।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति को लेकर प्रशासन सख्त

प्राथमिकता के आधार पर गैस सिलेण्डर वितरण के निर्देश

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति को लेकर प्रशासन ने स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वर्तमान वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निर्देशों के पालन में राज्य शासन ने एलपीजी सिलेंडरों के वितरण के लिए प्राथमिकता क्रम तय किया है।

जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आरके ठाकुर ने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों एवं प्राप्त मांग के आधार पर ही कमर्शियल तथा एग्जेमटेड कैटेगरी के गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की जाएगी। इस संबंध में सभी संबंधित एजेंसियों और वितरकों को निर्देशित किया गया है कि वे ऑयल कंपनियों के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही पात्र कनेक्शनधारियों को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराएं। उन्हें होंने यह भी स्पष्ट किया है कि नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी प्रकार की अनियमितता न हो और आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता के आधार पर गैस उपलब्ध हो सके।

मुर्गी पालन बना आजीविका का मजबूत आधार, सही योजना और संकल्प से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के विकासखंड परसवाड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंघई के ग्राम खुड्डीपुर (डोरा) में गरीब कल्याण रोजगार अभियान (त्यक्र) के प्रभावी क्रियान्वयन ने कमलाबाई के परिवार की जिंदगी को नई दिशा दी है। मुर्गी पालन का कार्य आज इस परिवार के लिए स्थायी आजीविका का मजबूत आधार बन चुका है। कोरोना काल के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के सीमित अवसरों के कारण कई परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहे थे। ऐसे समय में शासन के गरीब कल्याण रोजगार अभियान त्यक्र योजना ने राहत का कार्य करते हुए जरूरतमंदों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान किया गया। ग्राम खुड्डीपुर में हितग्राही कमलाबाई पति कृष्णालाल के नाम पर मुर्गी शेड निर्माण की स्वीकृति दी गई। लगभग 165 वर्गफुट क्षेत्रफल में बने इस शेड पर 51 हजार 554 रुपए की लागत आई, जिसे वर्ष 2020-21 में तकनीकी एवं प्रशासनिक स्वीकृति के साथ पूर्ण कराया गया। पूर्व में कमलाबाई का परिवार मजदूरी पर निर्भर था, जिससे जीवनयापन कठिन था। लेकिन योजना के तहत मुर्गी पालन शुरू होने के बाद परिवार को स्थायी आय का साधन मिल गया। वर्तमान में परिवार ब्रायलर, कड़कनाथ एवं देशी प्रजाति की लगभग 60 मुर्गियों का पालन कर रहा है। इस व्यवसाय से प्रतिदिन 10 से 12 मुर्गियों की बिक्री हो रही है, जिससे कमलाबाई के परिवार को औसतन 500 से 600 रुपए प्रतिदिन की आय प्राप्त हो रही है। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है और उन्हें मजदूरी के अतिरिक्त एक भरोसेमंद आय का स्रोत मिला है। यह कहानी दर्शाती है कि शासन की योजनाओं का सही क्रियान्वयन और लाभार्थियों की मेहनत मिलकर ग्रामीण जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। ग्राम पंचायत सिंघई का यह उदाहरण अन्य ग्रामीण परिवारों के लिए प्रेरणा बनकर उभर रहा है।

संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत सांदीपनि विद्यालय में जिला स्तरीय शिविर का हुआ आयोजन

विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का किया गया वितरण

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की पहल पर सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में पात्र लोगों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए संकल्प से समाधान अभियान चलाया गया है। इस अभियान के समापन अवसर पर 03 अप्रैल को सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया।

बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, कलेक्टर श्री मृणाल मीना, नगर पालिका बालाघाट की अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जी एस धुर्वे, श्री डी पी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर श्री एम आर कोल, श्री राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप कौरव, नगर पालिका के पार्षद एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती भारती पारधी ने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश की सरकार द्वारा अंतिम छोर के व्यक्ति को ध्यान में रखकर योजनायें बनायी जा रही है। इन योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए संकल्प से समाधान अभियान चलाया गया है। जब हम संकल्प कर लेते हैं तो उस समस्या का समाधान अवश्य होता है। संकल्प से समाधान अभियान भी अपने नाम के अनुरूप पात्र लोगों तक शासन की योजनाओं से लाभांवित करने का माध्याम बना है। बालाघाट जिला शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रदेश एवं देश में अग्रणी रहा है। इसके लिए बालाघाट का जिला प्रशासन एवं उसका नेतृत्व सराहना का पात्र है। आज भी इस शिविर के माध्यम से आवास योजना, पेंशन योजना एवं स्वनिधि योजना का लाभ दिया गया है। सांसद श्रीमती पारधी ने प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना में कुछ लोगों के नाम काटे जाने की ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए कहा कि इस समस्या पर संज्ञान लेकर उसका निराकरण किया जाये।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने शिविर के प्रारंभ में बताया कि संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायत स्तर एवं शहरी क्षेत्र में वार्ड स्तर पर शिविर लगाकर 20 विभागों की 106 सेवाओं का पात्र लोगों का लाभ दिया गया है। जिन लोगों को योजना का लाभ नहीं मिला था, उनसे आवेदन लेकर उनका परीक्षण कराया गया है और पात्रता पाये जाने पर उन्हें योजना का लाभ दिलाया गया है। बालाघाट जिले में इस अभियान के अंतर्गत लगभग 74 हजार आवेदन प्राप्त किये गये हैं, इनमें से 95 प्रतिशत आवेदनों का निराकरण कर दिया गया है। इस अभियान के शिविरों में लर्निंग लायसेंस बनाने, नामांतरण, बंटवारा, नक्शा बटांकन, पेंशन संबंधी योजनाओं के आवेदनों का निराकरण किया गया है।

कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत रानी फुलसुंघे, ममता लिल्हारे, अनिल राहंगडाले, रजनी सोनिले को 50-50 हजार एवं प्रिया सिंगरे को 25 हजार रुपए की ऋण राशि के चेक प्रदान किये गए। सरस्वती को राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना, वर्षा पालेवार, गायत्री टेम्भरे एवं रामकली को कल्याणी पेंशन योजना, संध्या बिसेन, प्रदीप गाडेश्वर, राकेश वर्मा, पुष्पा राहंगडाले, वासुदेव लिल्हारे, खिलेश मानेश्वर, अनिता सोनेकर, रजनी सोनेकर को प्रधानमंत्री आवास एवं राधिका मंडेला को संबल योजना में 04 लाख रुपए की अनुग्रह राशि स्वीकृति का पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में राजिक खान को विवाह प्रमाण पत्र तथा राजस्व विभाग द्वारा नामांतरण फौती दर्ज एवं बटवारा संबंधी स्वीकृति पत्र प्रदान किये गए।

कार्यक्रम में जिला परिवहन कार्यालय द्वारा लर्निंग लायसेंस बनाये गए। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, श्रम विभाग, सामाजिक न्याय, जिला उद्योग केंद्र, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगर पालिका, मत्स्य विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, कृषि विभाग, विद्युत विभाग, आयुष विभाग द्वारा स्टॉल लगाकर विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही आवेदन प्राप्त किये गए।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शनिवार 4 अप्रैल 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

केवलारी में क्रिकेट का तड़का या चंदे की कड़वाहट?

वाहवाही के शोर में दबे सवाल!

राष्ट्रबाण केवलारी | संवाददाता rashtrabaan.in

कहते हैं राजनीति और खेल के मैदान में जब साहब उतरते हैं, तो तालियों की गड़गड़ाहट के बीच अक्सर कई राज दफन हो जाते हैं। केवलारी के सांदीपनि विद्यालय मैदान में 7 से 22 मार्च तक चला अंतर विभागीय क्रिकेट महोत्सव भी कुछ ऐसी ही चर्चाओं के घेरे में है। एक तरफ कलेक्टर शीतला पटले ने इस आयोजन को टीम भावना और स्वास्थ्य का बूस्टर बताकर पीठ थपथपाई है, वहीं दूसरी तरफ गलियारों में दबी जुबान से एक ही सवाल गूँज रहा है कि इतना बड़ा तामझाम, और चंदे का काम?

जिला कलेक्टर ने केवलारी क्रिकेट महोत्सव की सराहना की

कलेक्टर शीतला पटले के केवलारी दौरे के दौरान हाल ही में आयोजित अंतर विभागीय क्रिकेट महोत्सव 2026 की भी चर्चा रही। कलेक्टर ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन कर्मचारियों में टीम भावना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं। गौरतलब है कि केवलारी विकासखंड में 7 मार्च से 22 मार्च तक सांदीपनि विद्यालय मैदान में यह महोत्सव आयोजित हुआ था, जिसे जिले और प्रदेश स्तर पर सराहा गया।महोत्सव के दौरान खेल के साथ-साथ शासकीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला कर्मचारियों का सम्मान कर सद्भावना मैच खेला गया। साथ ही विश्व कप विजेता भारतीय टीम का मैच सामूहिक रूप से दिखाकर उत्सव का माहौल बनाया गया। वन विभाग द्वारा हर डॉट बॉल पर पौधरोपण जैसी अनोखी पहल भी की गई। कार्यक्रम में ब्लॉक और जिला स्तर के अधिकारी भी शामिल हुए और खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। यह आयोजन केवलारी में खेल और आपसी समन्वय का एक अच्छा उदाहरण बनकर सामने आया।

वाहवाही का छक्का, सवालों की गुगली

महोत्सव की चमक-धमक ऐसी थी कि जिला स्तर तक इसकी गूंज सुनाई दी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मान के नाम पर तालियां बटोरी गईं, तो वन विभाग ने डॉट बॉल पर पौधरोपण कर पर्यावरण प्रेम का ऐसा शॉट मारा कि हर कोई देखता रह गया। लेकिन इस ग्रीन और क्लीन इमेज के पीछे खर्च हुए लाखों रुपयों का हिसाब क्या केवल सरकारी फाइलों में दर्ज विभागीय समन्वय है?

सिवनी की तर्ज पर केवलारी में कलेक्शन?

क्षेत्र में चर्चा तेज है कि क्या सिवनी जिले के अन्य आयोजनों की तरह यहाँ भी सहयोग के नाम पर वसूली का खेल खेला गया?

- **सवाल नंबर 1** : क्या विभागों के छोटे कर्मचारियों की जेब पर स्वेच्छा का दबाव बनाया गया?
- **सवाल नंबर 2** : क्या योजनाओं के प्रचार-प्रसार के बजट को पिच सजाने में इस्तेमाल किया गया?
- **सवाल नंबर 3** : कलेक्टर की तारीफ क्या जमीनी हकीकत पर पर्दा डालने का काम कर रही है?

प्रशासनिक समन्वय या मजबूरी का योग?

कलेक्टर ने आयोजन को आपसी तालमेल का उदाहरण बताया है, लेकिन जनता पूछ रही है कि क्या यह तालमेल केवल अफसरों के बीच था या उन व्यापारियों के साथ भी, जिन्हें सौजन्य के नाम पर चंदे की रसीदें थमाई गईं? आयोजन तो खत्म हो गया और विजेता कप लेकर चले गए, लेकिन केवलारी की फिजाओं में चंदे की यह मसालेदार चर्चा अब भी प्रशासन के लिए बाउंसर बनी हुई है।

सिवनी की खेल प्रतिभाएं अनाथ, मैडम को जी हजूरी से फुर्सत नहीं!

बगल में छिंदवाड़ा चैंपियन, सिवनी में सिर्फ फोटोबाजी का टूर्नामेंट

मनु धुर्वे, जिला खेल अधिकारी : जी हजूरी के चक्कर में मैडम अब मीडिया के सवालों से डर रही।

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

कहते हैं कि खिलाड़ी पसीने से मैदान सींचता है, लेकिन सिवनी में खेल विभाग की मैडम चापलूसी के शरबत से अपनी कुर्सी सींच रही हैं। जिला खेल अधिकारी का मीडिया से दूरी बनाना और खुद की पीठ थपथपाना कोई नई बात नहीं है, लेकिन हकीकत यह है कि उनके शिष्टाचार के नीचे सिवनी के खिलाड़ियों का भविष्य भ्रष्टाचार की धूल फांक रहा है।

सत्ता की चौखट पर नतमस्तक विभाग

गलियारों में चर्चा आम है कि खेल अधिकारी महोदया का सारा ध्यान खेल के मैदान पर नहीं, बल्कि सत्ताधारी दल के नेताओं की जी हजूरी और आओ-भगत में लगा रहता है। फ्लेक्स पर मुस्कुराती फोटो और स्थानीय नेताओं का स्वागत सत्कार की फोटो ही शायद उनकी सबसे बड़ी खेल उपलब्धि है। आरोप है कि यह सारा तमाशा सिर्फ इसलिए है ताकि ऊंची पहुंच के दम पर उनकी अव्यवस्थाओं पर कोई उंगली न उठा सके।

छिंदवाड़ा से कुछ तो सीखिए मैडम!

अगर मैडम को अपनी उपलब्धि देखनी है, तो जरा पड़ोसी जिले छिंदवाड़ा की ओर नजर घुमा लें। वहां विकास की दौड़ जारी है और सिवनी में खेल विभाग कोमा में है। देखिए कैसे छिंदवाड़ा में करोड़ों की बारिश हो रही है :-

कार्य का विवरण	स्वीकृत राशि/उपलब्धि
• इमलीखेड़ा मल्टीपर्पस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स	7.86 करोड़
• टेबल टेनिस हॉल उन्नयन	47 लाख
• इंदिरा गांधी क्रिकेट स्टेडियम उन्नयन	87 लाख
• स्टेडियम हेतु इंडोर जिम	35.41 लाख
• बैडमिंटन कोर्ट (टेराफ़्लेक्स)	26 लाख
• ओलंपिक स्टेडियम ग्रॉस फ़ील्ड	43 लाख

सिवनी के पास क्या? सिर्फ आश्वासन और धूल!

सिवनी में क्रिकेट के बड़े-बड़े टूर्नामेंट तो होते हैं, लेकिन खिलाड़ियों के पास एक ढंग का स्टेडियम तक नहीं है। सवाल यह उठता है कि जब पड़ोसी जिले में करोड़ों के काम हो सकते हैं, तो सिवनी के साथ यह सौतेला व्यवहार क्यों? क्या मैडम की फाइलें सिर्फ फोटो खिंचवाने तक सीमित हैं? कड़वा है मगर सच है कि मैडम, बच्चों का भविष्य उज्वल करने का दावा तो आप करती हैं, लेकिन क्या बिना इंफ्रास्ट्रक्चर के खिलाड़ी हवा में खेलेंगे? नेताओं के स्वागत-सत्कार और फ्लेक्सबाजी से फुर्सत मिले, तो कभी उन मैदानों की धूल भी फांक लीजिए जहां सिवनी का टैलेंट दम तोड़ रहा है। वही जिले के खेल प्रेमी पूछ रहे हैं कि आखिर कब तक शिष्टाचार की आड़ में सिवनी के खेलों का गला घोंटा जाएगा? कुछ तो शर्म कीजिए, कुछ तो लिहाज कीजिए!

नपा में कुर्सी का नया शोर

एल्डरमैनों की एंट्री पर बधाइयों का मिर्च-मसाला!

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

नगर पालिका के गलियारों में अब राजनीति का जायका बदलने वाला है! काफी इंतजार और कशमकश के बाद आखिरकार नवनियुक्त एल्डरमैन पार्षदों ने अपनी शाही एंट्री कर ही ली। नगर पालिका परिषद में हुए भव्य स्वागत समारोह ने यह साफ कर दिया कि शहर की समस्याओं का हल निकले न निकले, लेकिन नई नियुक्तियों का जश्न मनाने में कोई कमी नहीं रहने वाली।

स्वागत की गर्माहट या सियासत की आंच?

जैसे ही नए एल्डरमैनों ने कदम रखा, हार-फूल और नारों की ऐसी बौछार हुई कि विपक्षी खेमे के माथे पर पसीना आना लाजमी था। समर्थकों ने इस नई जिम्मेदारी को ऐतिहासिक बताया, मानो अब सिवनी की सड़कें रातों-रात मखमली हो जाएंगी। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच नए चेहरों को उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं तो दी गईं, लेकिन जनता की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि ये उज्ज्वलता शहर की गलियों में दिखेगी या सिर्फ इनके निजी कार्यालयों में?

बधाइयों का तड़का और जिम्मेदारी की कढ़ाई

सभी साथियों को नई जिम्मेदारी की बधाई देते हुए इसे एक सफल कार्यकाल बनाने का संकल्प लिया गया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये नए एल्डरमैन केवल फाइलों पर हस्ताक्षर करने आए हैं या वाकई में जनता के मुद्दों को अपनी मसालेदार बहस से सुलझाने का जज्बा रखते हैं? वही कड़वा सच यह भी है कि राजनीति की इस नई डिश में मसाले तो भरपूर हैं, अब देखना ये है कि ये सिवनी की जनता को हजम होती है या फिर सत्ता के गलियारों में सिर्फ सियासी बदहजमी ही फैलाती है। साथ ही सभी नवनियुक्त साथियों को इस नई कुर्सी और बड़ी जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई। उम्मीद है कि आपका कार्यकाल केवल स्वागत तक सीमित न रहकर, शहर के विकास में भी उतना ही तीखा असर दिखाएगा।

निर्माण कार्य का जायजा लेती जिला कलेक्टर शीतला पटले।

कलेक्टर के औचक तेवरों से केवलारी तहसील में हड़कंप

फाइलों में कैद इंसाफ और कछुआ चाल निर्माण पर गिरी गाज

राष्ट्रबाण केवलारी | संवाददाता rashtrabaan.in

कहते हैं जब साहब का डंडा चलता है, तभी व्यवस्था का पहिया घूमता है। कुछ ऐसा ही नजारा केवलारी तहसील कार्यालय में देखने को मिला, जब कलेक्टर शीतला पटले ने अचानक दबिश देकर वहां की सुस्त कार्यप्रणाली की बखिया उधेड़ दी। राजस्व न्यायालय से लेकर निर्माणाधीन स्कूल तक, मैडम के तेवरों ने लापरवाह अधिकारियों के पसीने छुड़ा दिए।

अधिकारियों में मची खलबली

कलेक्टर के इस कड़े रुख के दौरान एसडीएम महेश अग्रवाल सहित अमला यस मैम की मुद्रा में नजर आया। पूरे निरीक्षण के दौरान तहसील कार्यालय के गलियारों में यही चर्चा रही कि अगर काम समय पर होता, तो निरीक्षण में कलेक्टर की क्लास में यूं नंबर नहीं कटते। अब देखना यह है कि कलेक्टर की इस घुट्टी का असर केवलारी के सरकारी सिस्टम पर कितना होता है, या फिर साहिबों की रवानगी के बाद व्यवस्था फिर उसी ढर्रे पर लौट आएगी।

कार्यालय का औचक निरिक्षण करती जिला कलेक्टर शीतला पटले।

राजस्व न्यायालय, तारीख-पे-तारीख के खेल पर लगाम

तहसील कार्यालय की फाइलों पर जमी धूल और तारीखों के इंतजार में बूढ़े होते आवेदकों की पीड़ा कलेक्टर की पैनी नजरों से छिप न सकी। राजस्व न्यायालय के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों के अंबार को देख सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि साहबों की कुर्सी की सुस्ती आमजन पर भारी नहीं पड़नी चाहिए। अभिलेखों के रखरखाव में लापरवाही देख उन्होंने साफ कहा कि प्रकरणों का निराकरण पारदर्शी और समयबद्ध हो।साथ ही आमजन को राहत देने में संवेदनशीलता दिखाएं, वरना फाइलों के साथ-साथ जिम्मेदारों पर भी गाज गिरना तय है।

सांदीपनि विद्यालय, शिक्षा के मंदिर में कछुआ चाल बर्दाश्त नहीं

केवलारी में निर्माणाधीन सांदीपनि विद्यालय का हाल भी कुछ अलग नहीं था। वहां की धीमी प्रगति और निर्माण की गुणवत्ता को देख कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी और विभागीय अधिकारियों को जमकर आड़े हाथों लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को रगड़ते हुए कहा कि सामग्री में मिलावट या काम में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ।विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करें, इस चेतावनी के साथ उन्होंने तय समय सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए।

युवा विधायक गौरव सिंह पारधी बने भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता

राष्ट्रबाण कटंगी | संवाददाता rashtrabaan.in

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने कटंगी विधानसभा के युवा और ओजस्वी विधायक गौरव सिंह पारधी की कार्यक्षमता पर विश्वास जताते हुए उन्हें मध्य प्रदेश भाजपा का प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया है। प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल द्वारा जारी इस अधिकारिक घोषणा के बाद से ही क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और समर्थकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

सक्रियता और प्रखरता का मिला फल

गौरव सिंह पारधी को मिली इस नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को उनकी सक्रियता, प्रखर कार्यशैली और सदन में क्षेत्र के मुद्दों को मुखरता से उठाने के प्रतिफल के रूप में देखा जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि उनकी तार्किक और स्पष्टवादी छवि संगठन को प्रदेश स्तर पर और मजबूती प्रदान करेगी।

नेताओं ने व्यक्त की खुशी

इस उपलब्धि पर जिले के वरिष्ठ नेताओं ने हर्ष व्यक्त किया है। रामकिशोर कावरे भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि ÷गौरव पारधी की नियुक्ति से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और कटंगी विधानसभा का गौरव प्रदेश स्तर पर बढ़ेगा।

कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों में हर्ष की लहर

नियुक्ति की खबर मिलते ही कटंगी मंडल अध्यक्ष मुकेश चौकसे, महामंत्री सुरेंद्र राहंगडाले, वैभव गुप्ता और टिंकल वाघमारे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने खुशियां मनाईं।

क्षेत्र की आवाज होगी और बुलंद, पत्रकारों ने बधाई

स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्ध जनों का मानना है कि गौरव सिंह पारधी के प्रदेश प्रवक्ता बनने से अब कटंगी की समस्याओं और विकास की गूँज राजधानी भोपाल में और भी प्रभावी ढंग से सुनाई देगी। श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष अमजद खान, तिलक चौकसे, संजय अग्रवाल सहित मीडिया जगत से जुड़े लोगों ने भी विधायक पारधी को इस नई उपलब्धि पर शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

राष्ट्रबाण की खबर का बड़ा असर: नींद से जागा प्रशासन, खिलाड़ियों के ठहरने के लिए अब बाहुबली होटल का हॉल उपलब्ध

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

जिला मुख्यालय में आयोजित अंडर-19 टी-20 लेदर बॉल टूर्नामेंट में बाहर से आए खिलाड़ियों की दुर्दशा पर राष्ट्रबाण द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित खबर का व्यापक असर देखने को मिला है। खबर प्रकाशित होने के बात कुंभकरण की नींद से उठकर आयोजन समिति और जिम्मेदार हरकत में आए हैं।

व्यवस्थाओं में सुधार की पहल

खबर के वायरल होते ही और चौतरफा दबाव बढ़ते देख, टूर्नामेंट के आयोजक अजय मिश्रा की ओर से अब व्यवस्थाओं को सुधारने का ठोस कदम उठाया गया है। खिलाड़ियों को अब रैन बसेरा की गंदगी और असुविधा से मुक्ति मिलेगी। वही नया ठिकाना में शिफ्ट किया गया। आयोजक अजय मिश्रा ने स्वयं व्हाट्सएप पर जानकारी साझा करते हुए बताया है कि बाहुबली होटल का हॉल अब से बच्चों के रुकने के लिए उपलब्ध रहेगा। इस निर्णय से बाहर से आए युवा खिलाड़ियों ने राहत की सांस ली है, जो अब एक सम्मानजनक वातावरण में रहकर अपने खेल पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

जनता ने सराहा राष्ट्रबाण का निर्भीक पत्रकारिता

स्थानीय नागरिकों और खेल प्रेमियों ने राष्ट्रबाण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अगर मीडिया ने इस मुद्दे को इतनी प्रखरता से नहीं उठाया होता, तो शायद इन मासूम खिलाड़ियों को पूरे टूर्नामेंट के दौरान इन्ही कष्टों का सामना करना पड़ता। अब देखना यह होगा कि क्या केवल आवास ही नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के भोजन और सुरक्षा के अन्य मानकों पर भी आयोजन समिति इसी तरह मुस्तैदी दिखाएगी। फिलहाल राष्ट्रबाण के इस समाचार ने यह साबित कर दिया है कि निष्पक्ष पत्रकारिता आज भी बदलाव का सबसे बड़ा हथियार है।

खबर का हुआ सीधा प्रहार

बीते दिन राष्ट्रबाण ने माफ़ करना खिलाड़ियों, सिवनी शर्मिंदा है... शीर्षक के साथ खिलाड़ियों को मिल रही अव्यवस्थाओं का पर्दाफाश किया था। समाचार में बताया गया था कि कैसे भविष्य के सितारों को रैन बसेरा जैसी असुरक्षित जगह पर ठहराया गया और उन्हें पौष्टिक आहार के नाम पर केवल पुलाव परोसा जा रहा था। इस खबर ने न केवल खेल प्रेमियों को झकझोर दिया, बल्कि जिले की छवि पर भी सवाल खड़े कर दिए थे।

राष्ट्रबाण

बाहर से आए खिलाड़ियों को 'रैन बसेरा' और पुलाव परोस कर निभाई जिम्मेदारी!

माफ़ करना खिलाड़ियों, सिवनी शर्मिंदा है...

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433